

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर का दीक्षांत
समारोह सम्पन्न

राज्यपाल ने 683 छात्र छात्राओं को दी उपाधियां

राज्यपाल ने प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन
सामग्री प्रदान की

विद्यार्थी शिक्षा का उपयोग समाज में सकारात्मक बदलाव और कुरीतियों के
उन्मूलन में करें

विशेषज्ञता प्रदान करने वाली शिक्षा जरूरी

विद्यार्थी कैरियर में आगे बढ़ने के लिए लगातार खुद में सुधार लाते हुए
बेस्ट की ओर बढ़ें

—श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ: 27 दिसम्बर, 2021

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के ऑडिटोरियम हाल-कैलाश भवन में आयोजित दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को पदक एवं उपाधियां वितरित की। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि जीवन में विद्यार्थी का लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, सहनशीलता, आत्मविश्वास और सकारात्मक मनोवृत्ति से बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा का उपयोग समाज

में सकारात्मक बदलाव और कुरीतियों के उन्मूलन में करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि वे शिक्षा को सिर्फ सर्टिफिकेट तक सीमित न रखें अपितु इसकी सामाजिक उपयोगिता के साथ स्वयं को योग्य सिद्ध करें।

राज्यपाल जी आज विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह में बतौर कुलाधिपति सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने सम्बोधन में महिला सशक्तिकरण पर भी जोर दिया। विश्व स्तर पर आज विविध क्षेत्रों में जो तेजी से बदलाव परिलक्षित हैं उनके मद्देनजर राज्यपाल ने विशेषज्ञता प्रदान करने वाली शिक्षा को आवश्यक बताया। उन्होंने खास तौर पर गिरती उत्पादकता, प्राकृतिक संसाधनों में गिरावट तथा तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के चलते विशेष रूप से कृषि विशेषज्ञों को तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने कृषि विद्यार्थियों को किसानों के परम्परागत ज्ञान और अनुभव की जानकारियां प्राप्त करने के लिए भी प्रेरित किया।

राज्यपाल जी ने दीक्षांत समारोह में पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और कहा कि कैरियर में आगे बढ़ने के लिए वे लगातार खुद में सुधार लाते हुए बेस्ट की ओर बढ़ें।

इस अवसर पर 61 मेधावियों को 72 पदक एवं पुस्तक पुरस्कार स्वरूप दिए गए। कुल 683 छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 13 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक तथा 13 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 13 छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक एवं 15 छात्र-छात्राओं को प्रायोजित स्वर्ण पदक से नवाजा गया। परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 18 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। समारोह में जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली के उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री निधिपति सिंघानिया जी को कुलाधिपति महोदया द्वारा मानद उपाधि से विभूषित किया गया।

राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय रावतपुर नवीन के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, पेन, बैग आदि पठन-पाठन सामग्री तथा फल एवं दलिया भेंट किए साथ ही प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को भी फल आदि देकर सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ० डी० आर० सिंह ने समारोह में विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समारोह में मुख्य अतिथि श्री निधिपति सिंघानिया उपाध्यक्ष जेके ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली ने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए कृषि विविधीकरण पर बल दिया जिससे किसानों की आय दो गुनी हो।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन शोध निदेशालय द्वारा लिखित, सफलता की कहानी किसानों की जुबानी, प्रसार निदेशालय द्वारा लिखित तथा ऑब्जेक्टिव्स मास्टर ब्लास्टर आफ प्लांट पैथोलॉजी, डॉ० एस. के. विश्वास द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

समारोह में जनप्रतिनिधि विधायक महेश त्रिवेदी, कुलसचिव डॉ० सर्वेद्र कुमार, जिला प्रशासन के अधिकारीगण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य एवं बोर्ड के सम्मानित सदस्य, स्कूल एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

